दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 10 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 15

महत्वपूर्ण एवं खास

बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 16 जिलों के 4 लाख लोग प्रभावित, कोसी का जलस्राव घटा

पटना (आरएनएस)। बिहार में कोसी और गंडक सहित सभी प्रमुख नदियां उफान पर हैं। हालांकि, राहत वाली बात है कि वीरपुर के कोसी बैराज, वाल्मीकिनगर के गंडक बैराज पर जलस्राव में कमी आयी है। प्रदेश के 16 जिलों के 31 प्रखंड के चार लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। जल संसाधन विभाग के मुताबिक, वीरपुर बैराज में कोसी का जलस्राव सोमवार को सुबह छह बजे 2,65,530 क्यूसेक था जबकि 10 बजे यह घटकर 2,54,385 क्यूसेक हो गया है। इसी तरह वाल्मीकिनगर बैराज में सुबह 10 बजे गंडक का जलस्राव भी 1,55,600 लाख क्यूसेक है। इस बीच, प्रदेश की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, गंडक, कोसी, बागमती, महानंदा एवं अन्य नदियों के जलस्तर में हुई वृद्धि के कारण 16 जिलों पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, अररिया, किशनगंज, गोपालगंज, शिवहर, सीतामढ़ी, सुपौल, सिवान, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, मधुबनी, दरभंगा, सारण एवं सहरसा के 31 प्रखंडों में 152 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत लगभग 4 लाख से अधिक की आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है।

हिजबुल्लाह के दर्जनों कमांड सेंटर तबाह, एयर स्ट्राइक में 50 से ज्यादा आतंकियों की मौत : इजरायल

यरूशलम । हिजबुल्लाह के खिलाफ इजरायली मिलिट्री ऑपरेशन लगातार जारी है। इजरायली सेना ने दावा किया कि उसने लेबनान में हिजबुल्लाह के कई अंडरग्राउंड कमांड सेंटर पर हवाई हमले किए जिसमें 50 से अधिक आतंकवादी मारे गए। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि एयर स्ट्राइक में हिजबुल्लाह के दक्षिणी फ्रंट के दर्जनों भूमिगत कमांड सेंटर को तबाह कर दिया गया। इन सेंटर्स में इजरायल के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करने वाले कमांडर तैनात थे। हगारी ने कहा कि हिजबुल्लाह के दक्षिणी फ्रंट और राडवान फोर्सेज के छह सीनियर कमांडर मारे गए। इनमें अली अहमद इस्माइल और अहमद हसन नाजल भी शामिल हैं। इस्माइल बिंट जेबिल इलाके में तोपखाने का कमांडर था। वहीं नाजल, हिजबुल्लाह की स्पेशल कमांडो यूनिट, राडवान फोर्सेज के लिए बिंट जेबिल में अटैक सेक्टर की कमान संभालता था।

अमेरिका में तूफान 'हेलेन' ने मचाई तबाही, 93 लोगों ने गंवाई जान; लाखों बिना बिजली के रहने को मजबूर

फ्लोरिडा । दक्षिण-पूर्वी अमेरिका में तूफान 'हेलेन' ने भारी तबाही मचाई है। तूफान की वजह से जहां 93 लोगों की मौत हो गई, वहीं लाखों लोग बिजली के बिना रहने को मजबूर है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आश्वासन दिया कि उनका प्रशासन तूफान 'हेलेन' से प्रभावित लोगों को जरूरी मदद और संसाधन प्रदान करने के लिए राज्य और स्थानीय अधिकारियों के साथ काम कर रहा है। बाइडेन ने एक्स पर लिखा, तूफान के मद्देनजर चल रहे राहत और बचाव कामों को लेकर मेरी टीम मुझे लगातार जानकारी दे रही है। मेरा प्रशासन लोगों को जरूरी मदद और संसाधन पहुंचाने के लिए राज्य और स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। जैसा कि हम राहत और बचाव कार्यों को मदद देना जारी रखेंगे। राष्ट्रपति ने आगे कहा, जिल और मैं उन लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं जिन्होंने तूफान 'हेलेन' में अपने प्रियजनों को खो दिया और जिनके घर, व्यवसाय इस भयानक तूफान से प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी कैरोलिना में कम से कम 36 लोग मारे गए। वहीं दक्षिण कैरोलिना में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई, जिनमें सलूडा काउंटी के दो फायर फाइटर्स भी शामिल हैं। गवर्नर ब्रायन केम्प के प्रवक्ता के अनुसार जॉर्जिया में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई। गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने शनिवार को कहा कि फ्लोरिडा में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, इनमें पिनेलस काउंटी में डूबने वाले कई लोग शामिल हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने रविवार को बताया कि वर्जीनिया में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि टेनेसी में भी दो लोग मारे गए। काउंटी मैनेजर एवरिल पिंडर ने रविवार को बताया कि उत्तरी कैरोलिना के बनकॉम्बे काउंटी को ऑनलाइन फॉर्म के माध्यम से लगभग 600 लापता व्यक्तियों की रिपोर्ट मिली है।

नहीं रहे रतन टाटा, 86 साल की उम्र में मुंबई में निधन, शोक में देश!

नई दिल्ली

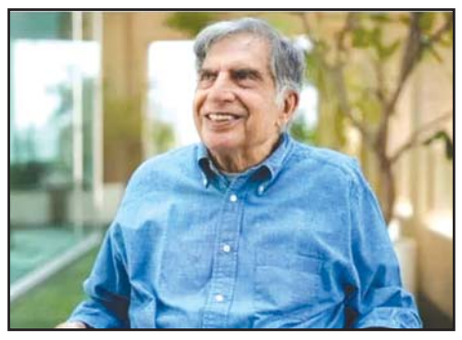

देशभर में शोक की लहर दौड़ गई है. भारत के दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा (Ratan Tata) का निधन बुधवार की शाम को हो गया. उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली. रतन टाटा 86 साल के थे. पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब थी.

दरअसल, बुधवार की शाम में उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने की खबर आई थी. जिसके कुछ घंटे बाद ही उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया. रतन टाटा का जाना देश के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है. हालांकि उन्हें देश कभी भूल नहीं पाएगा. उन्होंने देश के लिए एक से बढ़कर एक काम किए.

टाटा ग्रुप को ऊंचाईयों पर पहुंचाने में रतन टाटा की सबसे बड़ी भूमिका रही. उन्होंने देश और आम लोगों के लिए कई ऐसे काम किए, जिसके लिए उन्हें हमेशा याद किया जाता रहेगा. रतन टाटा एक दरियादिली इंसान थे और मुसीबत में देश के लिए हमेशा तैयार रहते थे.

अंतिम दर्शन के लिए पोर्टेबल कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था

रतन टाटा के पार्थिव शरीर के लिए पोर्टेबल कोल्ड स्टोरेज शवालय (morgue) की व्यवस्था की गई है. बुधवार की 4 बजे तक नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स (NCPA) में उनके पार्थिव शरीर को लोगों के अंतिम दर्शन के लिए लाया जाएगा. आज दिन में कई उद्योगपति, व्यवसायी, एक्टर और राजनेता उनके घर पर जा सकते हैं.

पार्थिव शरीर को वर्ली श्मशान घाट ले जाया जाएगा

रतन टाटा के पार्थिव शरीर को कोलाबा स्थित उनके घर ले जाया गया है और परिवार के सदस्य भी अस्पताल से चले गए हैं. विशेष सीपी देवेन भारती व्यक्तिगत रूप से परिवार के सदस्यों के साथ काफिले और एम्बुलेंस के साथ गए हैं. उनके पार्थिव शरीर को वर्ली श्मशान घाट ले जाया जाएगा. ये वही जगह है जहां साइरस मिस्त्री का अंतिम संस्कार किया गया था.

दो दिन पहले ही कहा था- मैं बिल्कुल ठीक हूं

इससे पहले सोमवार को भी रतन टाटा की तबीयत बिगड़ने की खबर आई थी, जिसके कुछ ही घंटों बाद खुद रतन टाटा के एक्स (ट्विटर) हैंडल से एक पोस्ट शेयर किया गया था. इस पोस्ट में लिखा था कि मेरे लिए चिंता करने के लिए सभी का धन्यवाद! मैं बिल्कुल ठीक हूं. चिंता की कोई बात नहीं, मैं बढ़ती उम्र से जुड़ी बीमारियों की रूटीन जांच के लिए अस्पताल आया हूं. लेकिन देश को ये दर्द रहेगा कि वो इस बार अस्पताल से लौट नहीं पाए, और हमेशा के लिए अंतिम यात्रा पर निकल पड़े.

28 दिसंबर को हुआ था जन्म

अरबपति कारोबारी और बेहद दरियादिल इंसान रतन टाटा 86 साल के थे, 28 दिसंबर 1937 को उनका जन्म हुआ था. वे साल 1991 से 2012 तक टाटा ग्रुप के चेयरमैन रहे और इस दौरान उन्होंने बिजनेस सेक्टर में कई कीर्तिमान स्थापित करते हुए देश के सबसे पुराने कारोबारी घरानों में से एक टाटा समूह को बुलंदियों तक पहुंचाया.

रतन टाटा की शख्सियत को देखें, तो वो सिर्फ एक बिजनेसमैन ही नहीं, बल्कि एक सादगी से भरे नेक दिल इंसान भी थे. वो देश के लिए हमेशा आदर्श और प्रेरणास्रोत रहेंगे. रतन टाटा अपने समूह से जुड़े छोटे से छोटे कर्मचारियों को भी अपना परिवार मानते और उनका ख्याल रखने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते, इसके कई उदाहरण मौजूद हैं.

1991 में बने थे चेयरमैन

गौरतलब है कि रतन टाटा को 21 साल की उम्र में साल 1991 में ऑटो से लेकर स्टील तक के कारोबार से जुड़े समूह, टाटा समूह का चेयरमैन बनाया गया था. चेयरमैन बनने के बाद रतन टाटा ने टाटा ग्रुप को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया. उन्होंने 2012 तक इस समूह का नेतृत्व किया, जिसकी स्थापना उनके परदादा ने एक सदी पहले की थी. 1996 में टाटा ने टेलीकॉम कंपनी टाटा टेलीसर्विसेज की स्थापना की और 2004 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) को मार्केट में लिस्ट कराया था.

कमान संभालने से पहले किया था काम

साल 1868 में शुरू हुए कारोबारी घराने की कमान अपने हाथों में लेने से पहले रतन टाटा (Ratan Tata) ने 70 के दशक में टाटा स्टील (Tata Steel), जमशेदपुर में काम किया. जब कारोबार की सभी बारीकियां समझ में आ गई फिर उन्होंने ग्रुप में अपनी दमदार एंट्री की और अपनी मेहनत और काबिलियत की दम पर घरेलू कारोबार को आसमान की बुलंदियों पर पहुंचाने का काम किया. रतन टाटा ने 1991 में पूरे ग्रुप की कमान अपने हाथों में ली थी.

प्रेरणास्रोत थे Ratan Tata

रतन टाटा की शख्सियत की बात करें तो वो सिर्फ एक बिजनेसमैन ही नहीं, बल्कि एक सादगी से भरे नेक और दरियादिल इंसान, लोगों के लिए आदर्श और प्रेरणास्रोत भी थे. वे अपने समूह से जुड़े छोटे से छोटे कर्मचारी को भी अपना परिवार मानते थे और उनका ख्याल रखने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते थे, इसके कई उदाहरण सामने हैं. इसके अलावा उन्हें जानवरों से, खासतौर पर स्ट्रे डॉग्स से खासा काफी लगाव था. वे कई गैर सरकारी संगठनों और Animal Shelters को दान भी करते थे. इसके अलावा वे किसी भी विपदा की स्थिति में हमेशा मदद के लिए तैयार रहते थे फिर चाहे वो मुंबई 26/11 अटैक हो या फिर Corona महामारी.

नोएडा के सेक्टर 135 में दर्दनाक हादसा, तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से 6 साल की बच्ची की मौके पर मौत

नोएडा । आरएनएस

यूपी के नोएडा से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। नोएडा के सेक्टर 135 में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मारी है, जिसमें 6 साल की बच्ची की मौके पर मौत हो गई है।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के मुताबिक, थाना एक्सप्रेस वे क्षेत्र के अंतर्गत बच्ची के साथ एक मोटर साइकिल सवार, ट्रक की चपेट में आ गया। इस घटना में एक 6 साल ती बच्ची की मौके पर मौत हो गई। बच्ची के परिजन मौके पर मौजूद हैं। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही करते हुये पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। ट्रक और ट्रक चालक को पुलिस हिरासत में लिया गया है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है, अन्य अग्रिम आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

एक हफ्ते पहले भी हुआ था भीषण हादसा- कुछ ही दिन पहले सेक्टर 11 और 12 के बीच वाली सडक़ पर ट्रैक्टर की टक्कर से कार में बैठे चार लोगों की मौत हो गई थी। ये हादसा रात 2 बजे के बाद हुआ था। इस हादसे में मोहित, विशाल, मनीष और बिट्टू की मौत हो गई थी।

दरअसल 5 दोस्त ऑल्टो कार से आए थे, जिनमें 4 की सडक़ हादसे में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद वाहनों को कब्जे में ले लिया गया। घायलों की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, गरीबों को दिसंबर 2028 तक मिलता रहेगा मुफ्त अनाज

नई दिल्ली । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक हुई। बैठक में कई अहम फैसलों को मंजूरी दी। इनमें गरीबों को मिल रहे मुफ्त अनाज की समयसीमा बढ़ाने जाने का फैसला भी शामिल है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा, आज कैबिनेट ने फैसला किया कि दिसंबर 2028 तक गरीबों को मुफ्त अनाज मिलता रहेगा।

अश्विनी वैष्णव ने कहा, कैबिनेट ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेएवाई) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत जुलाई 2024 से दिसंबर 2028 तक मुफ्त फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति जारी रखने को मंजूरी दी। उम्मीद है कि इससे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी दूर होगी। इसका कुल वित्तीय भार 17,082 करोड़ रुपये होगा और इसे केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने गुजरात के लोथल में एक राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर विकसित करने का फैसला किया। प्रस्ताव का उद्देश्य समृद्ध और विविध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करना और दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री विरासत परिसर बनाना है।

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक की जानकारी देते हुए कहा, पीएम मोदी ने सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया है। आज कैबिनेट ने राजस्थान और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में 4,406 करोड़ रुपये के निवेश से 2,280 किलोमीटर सडक़ निर्माण को मंजूरी दी।

ज्ञात हो कि तीन अक्टूबर को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई अहम फैसलों को मंजूरी दी गई थी। पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृषि उन्नति योजना को मंजूरी दी थी। इसके अलावा, नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल को भी मंजूरी दी गई। सरकार ने पांच भाषाओं को शास्त्रीय भाषाओं का दर्जा दिए जाने का भी फैसला किया था।

बिहार में टूटी हुई पटरी से गुजरी वैशाली एक्सप्रेस, पता लगते ही अधिकारियों के फूले हाथ-पांव

बेगूसराय । आरएनएस

बिहार में एक बड़ी घटना होते-होते टल गई है। यहां सवारियों को लेकर जा रही वैशाली एक्सप्रेस टूटी हुई पटरी से गुजर गई। हद तो इस बात की है इसकी जानकारी अधिकारियों को बाद में लगी। गनीमत रही कि गुजरने के दौरान ट्रेन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन जब रेलवे अधिकारियों को इसकी भनक लगी तो उनके हाथ-पांव फूल गए।

इस जगह क्रेक मिली पटरी

मिली जानकारी के मुताबिक, बेगूसराय-खगडिय़ा रेलखंड पर दनौली फुलवरिया और लाखो स्टेशन के बीच रेल पटरी टूट हुई थी। रेलवे फाटक नंबर 41 के पास स्थित किलोमीटर संख्या 154/5-7 पर रेलवे ट्रैक क्रेक हो गई जिसकी भनक किसी को नहीं लगी और इसी टूटी पटरी पर ही यात्रियों से भरी वैशाली एक्सप्रेस ट्रेन गुजर गई।

आधे घंटे तक खड़ी रहीं कई ट्रेनें

गनीमत रही कि कोई हादसा नहीं हुआ वरना हजारों की जान जा सकती थी। हालांकि अधिकारियों को जब पटरी में दरार होने की सूचना मिली तो आनन-फानन में इस रूट पर ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया और उसे चेंज किया गया। इस वजह से करीब आधे घंटे तक रूट बाधित रहा।

वैशाली एक्सप्रेस ट्रेन के गुजरने के बाद इसी पटरी से गुजर रही तिनसुकिया-राजेंद्र नगर एक्सप्रेस ट्रेन को लाल झंडी दिखाकर रोका गया। इसी के साथ राज्यरानी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों पर खड़ी रहीं। पटरी बदल जाने के बाद सभी ट्रेनों को आगे उनके गंतव्य की ओर भेजा गया।

यूपी और एमपी में फिर ट्रेन को पलटाने की साजिश, रेल ट्रैक पर मिले लोहे की छड़ें और सीमेंटेड स्लीपर

नई दिल्ली (आरएनएस)। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से ट्रेन को पलटाने की साजिश का मामला सामने आया है। ग्वालियर में रेलवे ट्रैक पर लोहे की भारी भरकम फ्रेम रखी मिली। मालगाड़ी के चालक की सतर्कता से दुर्घटना टल गई। जानकारी के अनुसार,ग्वालियर के बिरलानगर स्टेशन के पास मालगाड़ी ट्रैक पर देर रात लोहे की छड़ें रखी मिलीं। इसी ट्रैक पर एक मालगाड़ी आ रही थी लेकिन समय रहते उसे रोक दिया गया।

पुलिस को अभी तक नहीं मिला कोई सुराग- इससे ट्रेन बेपटरी होने से बच गई। आरपीएफ और जीआरपी ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आस पास के सीसीटीवी फूटेज भी देखे जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस को अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है।

यूपी में भी ट्रेन पटलाने की साजिश- उधर, यूपी में एक बार फिर ट्रेन पलटाने की साजिश का मामला सामने आया है। रायबरेली में मालगाड़ी सीमेंटेड स्लीपर से टकरा गई। हालांकि कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। आशंका है कि खेत में रखे तीन स्लीपरों को खींचकर ट्रैक पर लाया गया। देर रात हुए इस हादसे के बाद 15 मिनट तक मालगाड़ी खड़ी रही। यह घटना रायबरेली के लक्ष्मणपुर स्टेशन के पास घटी।

कई राज्यों में सामने आ चुके हैं इस तरह के मामले- बता दें कि पिछले दो महीनों में देश के कई राज्यों में ट्रेनों को पलटाने की साजिश की घटनाएं सामने आई हैं। ऐसी ही एक और घटना में 23 सितंबर को पंजाब के बठिंडा में बठिंडा से दिल्ली जाने वाली रेलवे पटरियों से लोहे की छड़ें बरामद की गईं।

मनौरी कस्बे में अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़, एक व्यक्ति गिरफ्तार

कौशांबी । आरएनएस

कौशांबी जिले के पिपरी थाना क्षेत्र अंतर्गत मनौरी बाजार में पुलिस ने अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में अवैध पटाखे और विस्फोटक सामग्री जब्त की है। इस दौरान एक युवक को हिरासत में लिया गया, जिससे पुलिस पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि एक साल पहले इसी क्षेत्र में स्थित अवैध पटाखा फैक्ट्री में भयानक विस्फोट हुआ था, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई थी। उस घटना के बाद से पुलिस लगातार सतर्क थी, और पिछली घटना को ध्यान में रखते हुए इस बार कड़ी कार्रवाई की गई है। पुलिस की यह कार्रवाई क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने के प्रयासों का हिस्सा है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री को लेकर स्थानीय निवासियों में भी डर और चिंता बनी हुई थी, और इस कार्रवाई से जनता को राहत मिली है। फिलहाल पुलिस हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ कर रही है, ताकि अवैध पटाखा फैक्ट्री से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

पुलिस ने कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्रवाई से पिपरी थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर रोकथाम की उम्मीद है, और जनता को भी पुलिस की त्वरित कार्रवाई पर भरोसा हुआ है।

2030 तक भारत का वैश्विक ड्रोन केंद्र बनने का लक्ष्य

नई दिल्ली । आरएनएस

भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव वुमलुनमंग वुअलनाम ने पुष्टि की, कि सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक भारत एक वैश्विक ड्रोन केंद्र बने। एफआईसीसीआई सेमिनार 'भारत ड्रोन वार्ता', जिसका विषय– भारत में ड्रोन के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देना था, को संबोधित करते हुए नागरिक उड्डयन सचिव ने कहा कि ड्रोन क्षेत्र में पीएलआई योजना का प्रभाव दिख रहा है, जिससे इस क्षेत्र में और विकास को गति मिली है। उन्होंने स्नढ्ढढष्टष्टढ्ढ से उद्योग जगत को सुझाव देने का आग्रह किया ताकि ड्रोन के लिए पीएलआई योजना का अगला चरण कार्यान्वयन, दस्तावेज़ीकरण और प्रक्रियाओं में अधिक कुशल हो। वुअलनाम ने आगे कहा कि नागरिक और सुरक्षा क्षेत्र में ड्रोन के उपयोग में वृद्धि के साथ, इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। हमें इस क्षमता को पूरी तरह से प्राप्त करने के लिए स्वदेशीकरण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। मेजर जनरल सी.एस. मान, अतिरिक्त महानिदेशक, आर्मी डिज़ाइन ब्यूरो, भारतीय सेना ने रक्षा प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से ड्रोन के स्वदेशीकरण करने के महत्व पर जोर दिया, जिससे आयात कम हो सके। उन्होंने कहा, हम एक प्रभावी ढांचा विकसित कर रहे हैं, जो बिना किसी अतिरिक्त स्तर को जोड़े, खरीद, परीक्षण और मूल्यांकन प्रक्रिया को सुचारू करेगा। नया ढांचा मौजूदा कमजोरियों को यथासंभव दूर करने का लक्ष्य रखता है। इसके साथ ही, हम स्वदेशीकरण की रूपरेखा को भी विकसित करेंगे, जिसे नए ढांचे के उद्देश्यों के साथ संरेखित किया जाएगा। जनरल मान ने आगे आश्वासन दिया कि आर्मी डिज़ाइन ब्यूरो विभिन्न क्षेत्रों जैसे सुरक्षित संचार और उच्च ऊंचाई वाले ड्रोन के स्वदेशी समाधान विकसित करने में वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करके उद्योग का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एफआईसीसीआई ड्रोन समिति के चेयरमैन और एडवर्ब टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन श्री जलज दानी ने कहा, भारतीय ड्रोन क्षेत्र को सरकार से नीति समर्थन प्राप्त हुआ है, जिसमें ड्रोन नियम 2021, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, हवाई क्षेत्र मानचित्र, राष्ट्रीय मानव रहित विमान प्रणाली ट्रैफिक प्रबंधन, नीतिगत ढांचा और अन्य सहायक विकास शामिल हैं। इन सभी का उद्योग और शैक्षणिक जगत द्वारा अच्छी तरह स्वागत किया गया है। उन्होंने भारत के विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में ड्रोन के महत्व पर भी प्रकाश डाला। एफआईसीसीआई ड्रोन समिति के सह-अध्यक्ष और आइडिया फोर्ज टेक्नोलॉजी के सीईओ श्री अंकित मेहता ने कहा कि ड्रोन क्षेत्र रणनीतिक महत्व का है, और इस क्षेत्र में स्वायत्तता प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, हमें आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि हम निरोधी व्यवस्थाओं के प्रति कमजोर न हों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विकसित करने की क्षमता बनाए रखें।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की ड्रोन तकनीक को उन्नत करना आवश्यक है ताकि हम वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बने रहें और 2030 तक इस क्षेत्र में नेतृत्व हासिल कर सकें। एफआईसीसीआई ड्रोन समिति के सह-अध्यक्ष और एस्टेरिया एयरोस्पेस के निदेशक एवं सह-संस्थापक श्री नील मेहता ने एफआईसीसीआई भारत ड्रोन वार्ता में कहा, वैश्विक ड्रोन केंद्र बनने के लिए हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिकांश घटक भारत में ही डिज़ाइन किए गए हों। उद्योग, शिक्षा जगत और सरकार को संयुक्त रूप से देश में प्रत्येक ड्रोन घटक की प्रौद्योगिकी और वाणिज्यिककरण की तैयारी का स्तर निर्धारित करना चाहिए ताकि स्वदेशीकरण को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करने, भारत में बौद्धिक संपदा विकसित करने और सरकार से अधिक समर्थन की आवश्यकता पर भी जोर दिया, जिसमें अनुसंधान एवं विकास के लिए प्रस्तावित 1000 करोड़ रुपये का कोष भी शामिल है। कार्यक्रम के दौरान एफआईसीसीआई ड्रोन पुरस्कारों की भी घोषणा की गई। कार्यक्रम में ड्रोन प्रौद्योगिकियों में निम्नलिखित पहलों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दुनिया का ड्रोन केंद्र बनने के लिए भारत पर एक एफआईसीसीआई चर्चा पत्र भी प्रस्तुत किया गया। प्रति संलग्न है।